vinetur

Gorgonzola और Champagne का संरक्षित दर्जा हटाने की अमेरिकी कोशिश का मुकाबला करने की इटली की EU से अपील

रोम का कहना है कि Farm Bill में बदलाव और अमेरिका की अन्य पहलें यूरोपीय भौगोलिक संकेतों को विदेशों में सामान्य नाम बना सकती हैं

मंगलवार, 24 नवंबर 2026



इटली ने सोमवार, 23 नवंबर को यूरोपीय संघ से अमेरिका की उन कोशिशों का समन्वित जवाब देने की अपील की, जिनसे रोम के अनुसार Gorgonzola और Champagne जैसे भौगोलिक संकेतों की कानूनी सुरक्षा कमजोर हो सकती है। इससे यूरोप में संरक्षित नाम अमेरिका और अन्य बाजारों में सामान्य नाम बन सकते हैं।

ब्रसेल्स में EU कृषि परिषद की बैठक में इटली ने एक दस्तावेज़ पेश किया, जिसे 16 अन्य सदस्य देशों का समर्थन हासिल था। इसमें यूरोपीय आयोग से विदेशों में भौगोलिक संकेतों की रक्षा और उनके प्रचार के लिए व्यापक राजनीतिक रणनीति तैयार करने को कहा गया। दस्तावेज़ के अनुसार, इस रणनीति में कानूनी संरक्षण के साथ जन-जागरूकता,

तकनीकी सहयोग और क्षमता निर्माण शामिल होना चाहिए। साथ ही, इस विचार को मजबूत किया जाना चाहिए कि भौगोलिक संकेत विशिष्ट उत्पाद नामों से जुड़े बौद्धिक संपदा अधिकार हैं।

ऑस्ट्रिया, बुल्गारिया, साइप्रस, चेकिया, फ्रांस, यूनान, हंगरी, पोलैंड, पुर्तगाल, स्लोवेनिया और स्पेन ने शुरुआत में इटली की पहल का समर्थन किया। बाद में लक्ज़मबर्ग, रोमानिया, फ़िनलैंड, स्लोवाकिया और माल्टा भी इसमें शामिल हुए। इस तरह इटली के अलावा समर्थन करने वाले देशों की कुल संख्या 16 हो गई।

यह विवाद अमेरिका की कई पहलों पर केंद्रित है, जिनके तहत इटली के अनुसार यूरोप में संरक्षित नामों के बेरोकटोक इस्तेमाल की अनुमति मिल सकती है। EU मंत्रियों के सामने पेश दस्तावेज़ में रोम ने खास तौर पर अमेरिकी Farm Bill की जारी समीक्षा का उल्लेख किया। इटली ने कहा कि इसका उद्देश्य यूरोपीय और गैर-यूरोपीय भौगोलिक संकेतों को "सामान्य नाम" के रूप में मान्यता देना है, जिससे अमेरिकी कानून के तहत कोई भी उत्पादक उनका इस्तेमाल कर सके। इटली ने Safety Act of 2025 का भी हवाला दिया और कहा कि यह भी इसी दिशा में आगे बढ़ता है।

इटली के अधिकारियों ने कहा कि यह मुद्दा अमेरिका के घरेलू बाजार तक सीमित नहीं है। दस्तावेज़ के अनुसार, वॉशिंगटन ने तीसरे देशों के साथ व्यापार समझौतों में ऐसी भाषा शामिल की है या शामिल करने की कोशिश कर रहा है, जिसमें यूरोप के प्रमुख भौगोलिक संकेतों को सामान्य नाम माना जाता है। दस्तावेज़ में हस्ताक्षरित या जारी वार्ताओं में शामिल देशों के तौर पर अर्जेंटीना, बांग्लादेश, कंबोडिया, इक्वाडोर, अल सल्वाडोर, ग्वाटेमाला, इंडोनेशिया, जॉर्डन, मलेशिया, ताइवान और भारत के नाम दिए गए हैं।

रोम ने चेतावनी दी कि इन कोशिशों से EU के मौजूदा और भविष्य के व्यापार समझौते जटिल हो सकते हैं, क्योंकि भौगोलिक संकेतों का संरक्षण इस समूह की व्यापार नीति का अहम हिस्सा है। इटली का तर्क था कि अमेरिकी रुख कुछ साझेदारों के साथ पहले से हुए समझौतों को कमजोर कर सकता है, जिनमें Mercosur क्षेत्र के समझौते भी शामिल हैं। इससे भारत, थाईलैंड और मलेशिया जैसे देशों के साथ बातचीत पर भी असर पड़ सकता है, जहां संरक्षित नामों का दर्जा वार्ता का अहम मुद्दा बना हुआ है।

इस चिंता का पेय उद्योग पर सीधा असर पड़ता है, क्योंकि सबसे मूल्यवान भौगोलिक संकेतों में से कई वाइन और स्पिरिट्स से जुड़े हैं। अगर व्यापार समझौतों के ज़रिए अमेरिका या तीसरे देशों में Champagne, Cava या Porto जैसे नामों को अधिक व्यापक रूप से सामान्य नाम माना जाता है, तो यूरोपीय उत्पादकों को उन लेबलों के लिए विशिष्टता और व्यावसायिक मूल्य में कमी का सामना करना पड़ सकता है, जो मूल स्थान, प्रतिष्ठा और निर्यात कीमतों से गहराई से जुड़े हैं।

इटली ने इंटरनेट प्रशासन को लेकर भी चिंता जताई। दस्तावेज़ में उसने वैश्विक इंटरनेट डोमेन नाम प्रणाली का समन्वय करने वाली संस्था ICANN की ओर से नए सामान्य शीर्ष-स्तरीय डोमेन आवंटित करने के लिए शुरू की गई प्रक्रिया को खतरा बताया। इटली के दस्तावेज़ के अनुसार, .asiago, .gorgonzola, .cava और .porto जैसे नामों से जुड़े आवेदन डिजिटल क्षेत्र में संरक्षित उत्पाद नामों को लेकर नया भ्रम पैदा कर सकते हैं।

परिषद के सार्वजनिक सत्र में इटली की ओर से बोलते हुए राजदूत Marco Canaparo ने कहा कि विश्व बौद्धिक संपदा संगठन और अमेरिकी अधिकारियों ने उन नामों के इस्तेमाल के कथित अधिकार का दावा किया है, जिन्हें सामान्य शब्द माना जाता है—भले ही वे नाम भौगोलिक संकेतों के रूप में संरक्षित हों। इटली ने EU के साझेदारों से कहा कि ऐसे कदम भौगोलिक संकेतों की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की स्थिरता को जोखिम में डालते हैं और इनके लिए कड़ी निगरानी के साथ EU संस्थाओं तथा सदस्य देशों की सुसंगत और समन्वित प्रतिक्रिया ज़रूरी है।

EU के कृषि आयुक्त Christophe Hansen ने मंत्रियों से कहा कि आयोग भौगोलिक संकेतों के लिए कानूनी संरक्षण पर बातचीत करेगा, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग करेगा और विदेशों में यूरोपीय भौगोलिक नामों के दुरुपयोग का विरोध करेगा।

EU के खाद्य और पेय क्षेत्र के लिए यह मुद्दा अहम है, क्योंकि भौगोलिक संकेत उत्पादों की व्यापक श्रेणी को कवर करते हैं और निर्यात के महत्वपूर्ण संसाधन हैं। EU के eAmbrosia डेटाबेस के अनुसार, इस समूह में वाइन, स्पिरिट्स और खाद्य उत्पादों के 3,900 से अधिक पंजीकृत भौगोलिक संकेत हैं। इटली में लगभग 900 पंजीकृत नाम हैं—EU में सबसे अधिक—जबकि फ्रांस लगभग 800 नामों के साथ दूसरे स्थान पर है।

EU रजिस्टर में नवीनतम प्रविष्टियां परिषद की बैठक से लगभग 10 दिन पहले जोड़ी गई थीं। इनमें मूल स्थान का संरक्षित पदनाम वाला पनीर Fior di latte molisano और संरक्षित भौगोलिक संकेत वाला सब्ज़ी उत्पाद Cicoria puntarella molfettese शामिल थे। इन नए पंजीकरणों से उस व्यवस्था का विस्तार हुआ है, जिसके बारे में इटली का कहना है कि अब उसे और मजबूत सुरक्षा की ज़रूरत है, क्योंकि स्थान-आधारित नामों के इस्तेमाल को लेकर विवाद दुकानों की अलमारियों से बढ़कर व्यापार वार्ताओं और इंटरनेट डोमेन तक पहुंच रहे हैं।